पत्रिका
30 जनवरी, 2010

# उधार की जिंदगी से करें तौबा

## सेबी चेयरमैन सीबी भावे की युवाओं को सीख

कॉन्क्लेव में युवाओं को संबोधित करते सेबी के चेयरमैन सीबी भावे।

रिपोर्टर

भोपाल। युवाओं को कर्ज लेकर नहीं जीना चाहिए, यदि कल नौकरी चली गई तो क्या करोगे? ज्यादातर युवाओं के साथ यही हो रहा है। युवाओं को सेविंग पॉइंट को भी मजबूत करना होगा, तब हम एक ताकतवर देश बन सकेंगे। शुक्रवार को आयोजित 6वें लीडर्स कॉन्क्लेव युवाओं को यह सीख सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के चेयरमैन सीबी भावे ने दी। देश के युवा भारत को किस तरह से आगे ले जाएं और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास कैसे हो, लीडरशिप के गुणों को विकसित कैसे किया जाए जैसे विषयों पर आधारित इस कॉन्क्लेव में देश के ख्यातिनाम विशेषज्ञों के विचार युवाओं को जानने को मिले।

### तह तक जाएं

कॉन्क्लेव में सीबी भावे ने कहा कि लीडरशिप स्किल डवलप करने और सफलता हासिल करने के लिए किसी भी कार्य की तह तक जाने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को सीख देते हुए कहा कि जीवन में नौकरी ही सबकुछ नहीं, घर-परिवार और माता-पिता भी अहम स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दस सालों में भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी या जैसी है वैसी ही रहेगी, लेकिन इसमें कमी नहीं आएगी। देश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री विवेक देबरॉय ने कहा की देश का युवा उद्यमी है और वे निश्चित ही रिस्क ले रहे हैं, जो विकास का प्रमुख स्रोत है। आईआईएफटी के हेड डॉ. रंगराजन ने कहा कि हमें देखना होगा की युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले।

### इन्होंने दिया लेक्चर

कॉन्क्लेव में डॉ. जे.पी. साहू फेलो आईआईएम बेंगलोर, जेरोनिनियों उज्मेंडिया मेन्टर आईकोन्गो नई दिल्ली, रशीद किदवई एसोसिएट एडिटर द टेलीग्राफ कोलकाता, आशुतोष राणा सिने स्टार , गुलशन बामरा आईएएस, अचल सिंह आपरेशन हेड एथिस्लेट टेलीकॉम म.प्र.छग, फरहान अंसारी वाइस प्रेसिडेंट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने युवाओं को लीडरशिप स्किल डवलप करने के टिप्स दिए।